

## लापरवाही: अस्पताल में सप्लाई हुई 'नकली दवा,

लैब में हुई जांच में सैंपल हुए फेल, अस्पताल प्रबंधन बोला- कम असरकारक थी दवा

poonam soni

25 Apr 2018, 07:44 PM IST

Hoshangabad, Madhya Pradesh, India









होशंगाबाद. जिला सरकारी अस्पताल में एक ओर सनसनीखेज खुलासा हुआ है। चार महीने पहले खरीदी गई एसीडिटी की पांच हजार गोलियां लैब में हुई जांच में फेल हो गई। अब इन्हें कंपनी को वापस किया जा रहा है। रिपोर्ट में इन्हें अमानक स्तर की पाया गया। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि यह नकली नहीं हैं, बल्कि बहुत कम असरकारक हैं। इन्हें देने के बाद रोगियों को आराम नहीं लगेगा। इस कारण वापस किया जा रहा है। यह उन मरीजों को दी जाती है जिन्हें एसिडिटी की वजह से पेट के ऊपरी हिस्से में जलन और सीने में दर्द की शिकायत होती है।

अस्पताल के सूत्रों ने बताया कि 24 दिसंबर 2017 को जिला अस्पताल स्तर पर एसिडीटी की दवा(रेनिटिडिन १५० एमजी ) की पांच हजार गोलियां खरीदी गई थी। यह गोलियां तय कंपनी से ही ली गई थी। इसके बाद इनके सैंपल जांच के लिए लैब भेजे गए थे। जांच रिपोर्ट में यह अमानक स्तर की पाई गई, इस कारण अब सभी लौटाई जा रही हैं। इनकी जांच देवेश टेस्टिंग एंड रिसर्च लैबोटरी प्राइवेट लिमिटेड से कराई गई। रिपोर्ट आने के बाद दवा को वितरण केंद्र से वापस बुला लिया

अब वापसी की तैयारी: यह दवा बैच क्रमांक आरएसएच१७०९ की है, जिसकी एक्सपायरी डेट ११/२०१९ थी। इस दवा का करीब ५ हजार गोलियों के स्टॉक को कंपनी को वापस करने की तैयारियां की जा रही है। सूत्र बताते हैं कि कुछ दवा वितरित भी की जा चुकी है। हालांकि अस्पताल प्रबंधन उससे इंकार कर रहा है।

अन्य दवाओं पर भी संदेह : जिला अस्पताल में मिलने वाली बीपी की दवा भी संदेह के दायरे में है। सूत्रों के मुताबिक जिला अस्पताल में अभी जो दवा बीपी कम करने को दी जा रही है। उसका असर मरीजों पर नहीं हो रहा है। एेसे में केवल रेनिटिडिन ही नहीं जांच कराई जाए तो कुछ अन्य दवाएं भी अमानक निकल सकती हैं।

&हमने रेनिटिडिन का वितरण दवा वितरण केंद्र से रिपोर्ट आने के तुरंत बाद ही रोक दिया था। अभी दवा को कंपनी को वापस करने की प्रोसेस चल रही है। उच्चाधिकारियों को भी इसकी जानकारी दे दी है।

डॉ.सधीर डेहरिया, सीएस

Source: <a href="https://www.patrika.com/hoshangabad-news/the-supply-of-fake-">https://www.patrika.com/hoshangabad-news/the-supply-of-fake-</a> medicine-in-the-hospital-2705403/